भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3145
गुरुवार, 21 दिसंबर 2023/30 अग्रहायण, 1945 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तराखंड में विमानपत्तनों का विकास

3145. डॉ. रमेश पोखरियाल निशंकः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तराखंड में विमानपत्तनों के विकास के लिए कौन-कौन सी विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं;

(ख) इस पर कितना व्यय किया गया है;

(ग) क्या सरकार का विचार उत्तराखंड में किसी विमानपत्तन को अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन के रूप में नामित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का विचार सीमावर्ती क्षेत्रों के निकट स्थित विमानपत्तन को रक्षा मंत्रालय को सौंपने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल) (डॉ.), विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)

(क): नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाने और जनसाधारण को किफायती विमान यात्रा उपलब्ध कराने के लिए 21.10.2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना – उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) शुरू की है। 'उड़ान' योजना के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य में निम्नलिखित आरसीएस हवाईअड्डों और हेलीपोर्टों को विकास और आरसीएस उड़ानें प्रचालित करने के लिए पहचान की गई है:

हवाईअड्डे: पिथोरागढ़ और पंतनगर;

हेलपोर्ट: अल्मोड़ा (एच), चिन्यालीसौड़ (एच), गौचर (एच), हल्द्वानी (एच), हरिद्वार (एच), जोशीमठ (एच), मसूरी (एच), नैनीताल (एच), नई टेहरी (एच), रामनगर (एच) , सहस्त्रधारा (एच) और श्रीनगर (एच)।

योजना के अंतर्गत एनएसओपी के तहत सहस्त्रधारा, चिन्यालीसौड़, गौचर, नई टिहरी, हल्द्वानी, अल्मोड़ा और श्रीनगर से हेलीकॉप्टर प्रचालन शुरू हो चुका है।

(ख) उत्तराखंड में हेलीपोर्ट और हवाईअड्डों के विकास के लिए स्वीकृत/व्यय की गई धनराशि अनुलग्नक में संलग्न है।

(ग): अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (ICAO), इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा निर्दिष्ट अंतर्राष्ट्रीय मानकों/मानदंडों को पूरा करने के लिए हवाईअड्डों का उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है, जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) या संबंधित हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा वाणिज्यिक पहलू, यात्री आवश्यकताओं, भूमि की स्थिति और एयरलाइन प्राथमिकताओं सहित विभिन्न विचारों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के स्वामित्व वाले उत्तराखंड में देहरादून और पंतनगर दो परिचालन हवाईअड्डे हैं।

(घ): उत्तराखंड में एएआई हवाईअड्डों को रक्षा मंत्रालय को सौंपने का ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****

अनुलग्नक

उत्तराखंड में हेलीपोर्ट और हवाई अड्डों के विकास के लिए स्वीकृत/व्यय की गई धनराशि

क्र.सं.	**हवाई अड्डे/हेलीपोर्ट**	**आरसीएस बजट-करोड़ रुपये में**	**कुल व्यय**
1.	पंतनगर	26.74	24.87
2.	पिथोरागढ़	6.68	6.68
3.	अल्मोड़ा (एच)	6.29	1.29
4.	चिन्यालीसौड़ (एच)	2.66	2.16
5.	धारचूला (एच)	0.73	0.53
6.	गौचर (एच)	4.89	4.39
7.	हलद्वानी (एच)	4.46	3.46
8.	हरिद्वार (एच)	2.00	-
9.	जोशीमठ (एच)	0.59	0.59
10.	मसूरी (एच)	0.59	0.59
11.	नैनीताल (एच)	3.00	4.02
12.	नई टेहरी (एच)	3.87	3.37
13.	रामनगर (एच)	2.12	0.12
14.	सहस्त्रधारा (एच)	8.99	0.99
15.	श्रीनगर (एच)	6.47	1.47
	कुल	**80.08**	**54.52**

****